जय सनातन राष्ट्रहित सर्वोपरि तय सनातन

विश्वजीत सिंह अनंत
राष्ट्रीय अध्यक्ष

रासपा
राष्ट्रीय सनातन पार्टी

राष्ट्रीय सनातन पार्टी

पंजीकृत कार्यालय: म. न. 108-ए, भूतल, खसरा नंबर 60, 30 फूटा रोड,
नया सभापुर गुजरान, करावल नगर, दिल्ली-110090
www.rashtriyasanatanparty.org , E-mail: rashtriyasanatanparty@gmail.com 8412438934, 9410073474

रासपा
राष्ट्रीय सनातन पार्टी

पत्रांक 215 दिनांक 08/07/2026

सेवा में,
श्रीमान नरेन्द्र मोदी जी
माननीय प्रधानमंत्री, भारत सरकार

विषय: श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पुनर्गठन, कथित भूमि एवं वित्तीय अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच, ट्रस्ट को सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के दायरे में लाने तथा मंदिर की आय के पारदर्शी एवं जनहितकारी उपयोग के संबंध में।

महोदय,

मैं विश्वजीत सिंह अनंत, राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय सनातन पार्टी, यह पत्र करोड़ों रामभक्तों की आस्था, विश्वास एवं उत्तरदायित्व की भावना के साथ आपको लिख रहा हूँ।

मेरे लिए भगवान श्रीराम केवल आराध्य नहीं, बल्कि जीवन के आदर्श हैं। मैं बाल्यावस्था से ही श्रीरामजन्मभूमि आंदोलन से जुड़ा रहा हूँ तथा लगभग छह वर्ष की आयु से कारसेवा में सहभागी रहा हूँ। इसलिए यह विषय मेरे लिए केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि गहन धार्मिक, सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय महत्व का विषय है।

श्रीराम किसी एक संगठन, दल, संस्था अथवा व्यक्ति की निजी संपत्ति नहीं हैं। वे सम्पूर्ण राष्ट्र के आराध्य हैं। अतः उनके नाम पर संचालित किसी भी ट्रस्ट का संचालन पूर्ण पारदर्शिता, उत्तरदायित्व एवं जनविश्वास के अनुरूप होना चाहिए।

विगत वर्षों में श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के संबंध में भूमि खरीद, दानराशि के उपयोग, वित्तीय प्रबंधन तथा प्रशासनिक कार्यप्रणाली को लेकर अनेक सार्वजनिक प्रश्न, समाचार रिपोर्टें एवं आरोप सामने आए हैं। इन आरोपों की सत्यता अथवा असत्यता का निर्धारण केवल निष्पक्ष एवं स्वतंत्र जांच से ही संभव है। यदि ट्रस्ट के सभी कार्य नियमसम्मत एवं पारदर्शी हैं, तो ऐसी जांच से उसकी प्रतिष्ठा और अधिक सुदृढ़ होगी।

यह भी व्यापक जनचर्चा का विषय रहा है कि ट्रस्ट सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 (RTI) के दायरे में नहीं है। जबकि मंदिर का निर्माण करोड़ों श्रद्धालुओं के दान, सार्वजनिक सहयोग तथा राष्ट्रव्यापी आस्था से संभव हुआ है। ऐसी स्थिति में पारदर्शिता लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व का आवश्यक आधार होनी चाहिए।

अतः राष्ट्रीय सनातन पार्टी की ओर से मैं भारत सरकार से निम्नलिखित मांगें करता हूँ—

1. श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का पुनर्गठन किया जाए तथा उसके वर्तमान स्वरूप की स्वतंत्र समीक्षा कराई जाए।

(शेष पृष्ठ 2 पर जारी......)

2. भूमि खरीद, दानराशि, निर्माण कार्य, ठेकों, वित्तीय लेन-देन तथा अन्य कथित अनियमितताओं की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) अथवा सर्वोच्च न्यायालय की निगरानी में स्वतंत्र एवं समयबद्ध जांच कराई जाए।

3. जांच पूरी होने तक सभी संबंधित अभिलेखों, बैंक खातों, अनुबंधों तथा वित्तीय दस्तावेजों को सुरक्षित रखा जाए, जिससे निष्पक्ष जांच सुनिश्चित हो सके।

4. नए ट्रस्ट में अयोध्या के स्थानीय संतों, महंतों, सनातन धर्म की विभिन्न परंपराओं के धर्माचार्यों, वैदिक विद्वानों तथा वित्त एवं प्रशासन के निष्पक्ष विशेषज्ञों को उचित प्रतिनिधित्व दिया जाए, ताकि किसी एक संगठन अथवा विचारधारा का वर्चस्व न रहे।

5. श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 (RTI) के दायरे में लाया जाए, जिससे श्रद्धालु एवं नागरिक वैधानिक रूप से आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकें।

6. ट्रस्ट की आय, व्यय, दानराशि, चढ़ावा, निवेश, संपत्तियों तथा सभी वित्तीय गतिविधियों का प्रतिवर्ष स्वतंत्र वैधानिक ऑडिट कराया जाए तथा उसकी रिपोर्ट सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराई जाए।

7. मंदिर की आय का उपयोग पारदर्शी नीति के अनुसार मंदिर के संरक्षण, तीर्थयात्रियों की सुविधाओं, धर्मशालाओं, गौशालाओं, वेद एवं संस्कृत शिक्षा, सनातन संस्कृति के संरक्षण तथा निर्धन एवं वंचित हिन्दू समाज के कल्याण हेतु सुनिश्चित किया जाए।

8. ट्रस्ट के सभी महत्वपूर्ण प्रशासनिक एवं वित्तीय निर्णयों की जानकारी नियमित रूप से सार्वजनिक की जाए, जिससे श्रद्धालुओं का विश्वास और अधिक सुदृढ़ हो।

9. चूँकि श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कुछ पदाधिकारियों तथा विश्व हिन्दू परिषद से जुड़े कुछ व्यक्तियों की भूमिका को लेकर सार्वजनिक स्तर पर प्रश्न और आरोप उठाए गए हैं, अतः निष्पक्ष जांच पूर्ण होने तक ऐसे सभी व्यक्तियों को ट्रस्ट के प्रबंधन एवं वित्तीय निर्णयों से अलग रखा जाए, ताकि जांच की निष्पक्षता पर किसी प्रकार का प्रश्नचिह्न न लगे।

माननीय प्रधानमंत्री जी,

भगवान श्रीराम सत्य, मर्यादा, धर्म, न्याय और लोककल्याण के सर्वोच्च आदर्श हैं। उनके नाम पर संचालित किसी भी संस्था में पूर्ण पारदर्शिता, नैतिक उत्तरदायित्व तथा सार्वजनिक विश्वास सर्वोपरि होना चाहिए। यदि लगाए गए आरोप निराधार हैं, तो निष्पक्ष जांच से यह स्पष्ट हो जाएगा; और यदि किसी प्रकार की अनियमितता हुई है, तो दोषियों के विरुद्ध विधि के अनुसार कठोर कार्रवाई होना करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था तथा राष्ट्रहित— दोनों की दृष्टि से आवश्यक है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपके नेतृत्व में भारत सरकार इस विषय को केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि करोड़ों रामभक्तों की आस्था और विश्वास से जुड़ा विषय मानते हुए आवश्यक एवं निष्पक्ष निर्णय लेगी।

अतः आपसे विनम्र निवेदन है कि उपर्युक्त मांगों पर गंभीरतापूर्वक विचार कर आवश्यक कार्रवाई करने का कष्ट करें, जिससे श्रीरामजन्मभूमि मंदिर की गरिमा, करोड़ों श्रद्धालुओं का विश्वास तथा सार्वजनिक जीवन में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व की भावना और अधिक सुदृढ़ हो सके।

भवदीय

विश्वजीत सिंह अनंत

राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय सनातन पार्टी

मो.9412458954

VISHWAJEET SINGH ANANT
PRESIDENT
RASHTRIYA SANATAN PARTY
H. No. 108-A, GF, Kh. No. 60,
30 Foota Road, New Sabhapur, Gujran
Karawal Nagar, Delhi- 110090